साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 238 | जौनपुर, शनिवार, 25 मई 2024 | साान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

श्रावस्ती व सुल्तानपुर सहित 14 सीटों पर मतदान, पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू

बलरामपुर, संवाददाता। लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण में मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू हो गई हैं। इस चरण में प्रदेश की 14 लोकसभा सीटों पर शनिवार को मतदान होगा। श्रावस्ती लोकसभा सीट से जुड़ी तीन विधानसभा क्षेत्र में मतदान कराने के लिए शुक्रवार को पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू हो गई है। सदर, तुलसीपुर व गैसड़ी विधानसभा क्षेत्रों में 25 मई को 1260 बूथों पर वोटिंग कराई जाएगी। सभी पोलिंग पार्टियों को स्पोर्टस स्टेडियम में बस्ता, ईवीएम व वीवीपैट आदि चुनाव सामग्री देने के लिए टेंट की व्यवस्था की गई है। बड़ा परेड में जीपीएस से लैस 780 छोटे–बड़े वाहनों का इंतजाम किया गया है। चुनाव में 5040 और उप चुनाव में 626 कार्मिकों को लगाया गया है। पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू हो गई है। डीएम अरविंद सिंह व एसपी केशव कुमार ने भ्रमण करके जायजा लिया है। वहीं, भिनगा और श्रावस्ती विधानसभा क्षेत्र के लिए भी कलेक्ट्रेट से पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू हो गई है। सभी पोलिंग पार्टियों को कलेक्ट्रेट में ईवीएम व वीवीपैट सहित मतदान सामग्री देने की व्यवस्था की गई है।

सुल्तानपुर में वरुण ने दिया भावुक भाषण

सुल्तानपुर, संवाददाता। पीलीभीत से टिकट कटने के बाद भाजपा सांसद वरुण गांधी बृहस्पतिवार को पहली बार चुनाव प्रचार में नजर आए। उन्होंने सुल्तानपुर में ताबड़तोड़ नुक्कड़ सभाएं कीं, जिसमें वे बार–बार भावुक हुए। कहा कि मैं सिर्फ अपनी मां के लिए सुल्तानपुर में प्रचार करने आया हूं। यहां की मिट्टी से पिता संजय गांधी की खुशबू आती है। अब सुल्तानपुर में मां हैं। मां के नाते अब यह मेरी मातृभूमि भी है। इस बीच उन्होंने न भाजपा का नाम लिया और न ही भाजपा नेताओं का। सुबह सुल्तानपुर पहुंचने पर समर्थकों ने उनका स्वागत किया।

इसके बाद उन्होंने सुल्तानपुर कस्बे की निषाद बस्ती में पहली जनसभा की। यहां से वह मोतीगंज, कुछमुछ, बरगदवा मदनपुर देवरार, छापर गोलवा,मझगवां ,कटघरा चिरान पट्टी, बेरा मारुफपुर, सरैया बाजार, खैरहा, काछा भिटौरा पहुंचे। वरुण गांधी ने कहा कि सुल्तानपुर से उनका पारिवारिक रिश्ता है। वे यहां नेता नहीं, एक बेटे के रूप में आए हैं। वरुण ने कहा कि अभी नहीं जबसे हम पैदा हुए तबसे यह हमारी कर्मभूमि है।

यह हमारा परिवार है। हमको यहां की मिट्टी से प्यार है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार आप लोग सारे रिकॉर्ड तोड़ने जा रहे हैं। मेरा विपक्ष के किसी प्रत्याशी से भी कोई बैर नहीं है।

शांतिपूर्ण हुआ मतदान, जौनपुर लोकसभा में 55.52 प्रतिशत व मछलीशहर में 54.43 प्रतिशत पड़ा वोट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकतंत्र के पर्व पर शनिवार को जिले की दो लोकसभा सीटों 73 जौनपुर व 74 मछलीशहर में सुबह 7 बजे से ही सभी मतदान केंद्रों पर वोटरों का उत्साह देखने को मिला।ग्रामीण क्षेत्रो की महिलाओं ने सुबह से अपने कामकाज को जल्दी कर अपने मतदान के प्रति उत्साहित दिखीं।युवा व पहली बार मतदान करने वाले वोटरों में भी काफी उत्साह देखने को मिला।युवा वोटरों बोले उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने, राष्ट्रहित में वोट किया है और सभी को मतदान करना चाहिए। वहीं निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार सभी बूथों पर पीने का पानी,लाइन में खड़े मतदाताओं के लिए छाया की व्यवस्था व अत्यधिक गर्मी को देखते हुए कहीं कहीं कूलर की भी व्यवस्था की गई थी साथ ही पोलिंग बूथों पर ओआरएस घोल की व्यवस्था नही रही। दोनो ही लोकसभा क्षेत्रो में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।बूथ के अंदर मोबाइल हैंग ले जाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी थी।सौ मीटर के दायरे के बाहर ही वाहनों को खड़ा करने का आदेश था। संवेदनशील बूथों पर पैरा मिलिट्री फोर्स लगाया था। समय समय पर व्यवस्था परखने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई थी। जौनपुर से भाजपा प्रत्यासी कृपा शंकर सिंह ने अपनी पत्नी के साथ सुबह शीतला चौकियां माता का दर्शन किया।उसके बाद सुबह लगभग 8 बजे अपने गांव सहोदर पुर पहुंचकर मतदान किया।उन्होंने भाजपा के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए अपील की। और अपने जीत का दावा किया। वही उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री गिरीश यादव ने अपने परिवार के साथ अपने गांव में मतदान किया।बसपा प्रत्यासी श्याम सिंह यादव मीडिया से बचते हुए सुबह लगभग 11 बजे अचानक मियां पुर स्थित कंपोजिट विद्यालय पहुंचे,जहां उन्होंने अपने मत का प्रयोग किया। बदलापुर तहसील क्षेत्र के महराजगंज थाना अंतर्गत बरहुपुर मे कंपोजिट विद्यालय में बने बूथ नम्बर 278 व उदयभानपूर मे स्थित कंपोजिट विद्यालय में बने बूथ नम्बर 313 पर माक पोल के बाद ईवीएम के कंट्रोल यूनिट मे खग्राबी दिखाई दिया। जिसकी सूचना मतदान कर्मियों ने कंट्रोल रूम को दिया। तत्काल ईवीएम के कंट्रोल यूनिट को बदल कर मतदान को शुरू करवाया गया। जिससे लगभग 1 घंटे मतदान देरी से शुरू हुआ। 73 जौनपुर लोकसभा में सुबह नौ बजे तक 13.12:, 11 बजे तक 26.84:,दोपहर एक बजे तक 37.41:,तीन बजे तक 43.63: तथा शाम 5 बजे तक 52.52: प्रतिशत मतदान हुआ। तथा 73 जौनपुर लोकसभा में कुल मत 55.52: और मछलीशहर में 54.43: प्रतिशत कुल मत रहा। वही मछली शहर सुरक्षित लोकसभा क्षेत्र के बनपुरवा गांव में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। अभी तक इस बूथ पर सुबह सिर्फ एक मतदान हुआ है। ग्रामीणों ने का कहना है कि पिछले कई सालों से गांव में विकास के नाम पर कोई कार्य नहीं हुआ है। वर्तमान बीजेपी सांसद बीपी सरोज से कई बार गांव के विकास के लिए कहा गया है लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। इसलिए आज मतदान का बहिष्कार किया गया है।मौके पर एसडीएम मड़ियाहूं कुणाल गौरव के साथ तहसीलदार ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण मनाने को तैयार नही हुए। सूचना के बाद सीडीओ साईं सीलम तेजा भी गांव में पहुंच गए।काफी प्रयासों के बाद ग्रामीण वोट डालने को तैयार हुए।सीडीओ ने बताया कि समझाने के बाद सभी ग्रामीणों ने वोटिंग किया। प्रशाशन के प्रयास से वोटिंग पूरी तरह से हुई है। वहीं मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र में मतदान करवाने को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज जायसवाल और कार्यकर्ता रूपेश जायसवाल आपस में भिड़ गए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीच–बचाव कर मामला शांत कराया। भाजपा द्वारा हनुमान मंदिर पर बस्ता लगाया गया था जहां यह घटना हुई। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। 74 मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र में सुबह नौ बजे तक 13.12:, 11 बजे तक 27.18,दोपहर एक बजे तक 37.36:,तीन बजे तक 43.84: तथा शाम 5 बजे तक 51.08: प्रतिशत मतदान हुआ है। समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर कई स्थानों पर पीठासीन अधिकारियों द्वारा जबरन फर्जी वोट डलवाने की शिकायत जिले के प्रशासनिक अधिकारियों व इलेक्शन कमीशन से किया है।वही सपा ने ट्वीट कर शाहगंज के विधायक व जिलाध्यक्ष पर फर्जी वोटिंग कराने का आरोप लगाया है।समाजवादी पार्टी के सभी आरोपो का जिला प्रशासन ने खंडन किया है और अभी सूचनाओ को असत्य बताया है।जिला प्रशासन का कहना है ।पूरे जनपद में शांतिपूर्ण मतदान कराया गया।

भारत की बढ़ती ताकत वैश्विक संतुलन के लिए जरूरी - विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, एजेसी। भारत ने एक बार फिर अपनी बढ़ती ताकत का दांव ठोका है और कहा है कि वैश्विक संतुलन कायम करने और खास तौर एशिया को बहुधुव्रीय बनाने के लिए भारत का मजबूत रहना जरूरी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने निक्की एशिया 2024 (एशिया का भविष्य) सम्मेलन में कहा है कि एशिया को बहुधुव्रीय बनाने के लिए भारत में बदलाव जरूरी है, क्योंकि बहुधुव्रीय एशिया से ही बहुधुव्रीय विश्व का गठन होगा। भारत की बढ़ती ताकत यह सुनिश्चित करेगा कि विश्व में आजादी, खुलापन, पारदर्शिता और कानून सम्मत व्यवस्था कायम रहेगी। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि, भारत आज उदाहरण

पेश करने में विश्वास रखता है। भारत में चुनाव चल रहा है जो बताता है कि लोकतंत्र से भी प्रभावशाली तरीके से व्यापक तौर पर वितरण कर सकता है। कहीं प्राकृतिक आपदा होती है तो भारत बदलाव हो सकता है। यह देखा जा सकता है कि भारत किस तरह से समाजिक–आर्थिक लाभों का सबसे पहले मदद पहुंचाने वालों में होता है। सौर ऊर्जा से लेकर जैवविविधता के मामले में भारत लीडर की भूमिका निभा रहा है। हम यह मानते हैं कि एक मुक्त, खुला, सुरक्षित, शांतिपूर्ण, संपन्न व स्थिर हिंद– प्रशांत क्षेत्र विश्व की शांति व स्थिरता के लिए भी अनिवार्य शर्त है। इस अवसर पर भारतीय विदेश मंत्री ने भारत और जापान के रिश्तों का जिक्र करते हुए इन्हें और ज्यादा प्रगाढ़ करने की जरूरत बताई। जापान की मदद से भारत में चल रहे विकास कार्यों और पूर्वोत्तर क्षेत्र में चल रहे सहयोग का खास तौर पर जिक्र किया।

इंडी गठबंधन के हाथों पंजाब को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ – पीएम नरेद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि दिल्ली में बैठे आम आदमी पार्टी (आप) के शीर्ष नेता रिमोट कंट्रोल के जरिए पंजाब सरकार को नियंत्रित कर रहे हैं और कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री अपने दम पर कोई भी निर्णय नहीं ले सकते। गुरदासपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से पंजाब को रिमोट कंट्रोल के माध्यम से शासित किया जा रहा है। दिल्ली के दरबारी पंजाब पर शासन कर रहे हैं। पंजाब के सीएम अपने दम पर एक भी निर्णय नहीं ले सकते। अपनी सरकार चलाने के लिए नए आदेश लेने के

लिए तिहाड़ जेल जाएंगे। 1 जून के बाद भ्रष्टाचारी फिर जेल जाएंगे? प्रधानमंत्री ने कहा कि पंजाब इंडी गठबंधन के असली चेहरों को जानता है। इस इंडी गठबंधन के हाथों पंजाब को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। विभाजन, अस्थिरता, उग्रवाद, पंजाब के भाईचारे पर हमला और उसकी आस्था पर हमला। उन्होंने पंजाब में अलगाववाद को हवा दी और दिल्ली में सिखों का नरसंहार किया।

अगले दोनों चरण के चुनाव में इंडिया' गठबंधन उप्र की सभी 27 सीटें जीत रहा हैं – अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को दावा किया कि छठे और सातवें चरण के चुनाव

में इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में लोकसभा की सभी 27 सीटें जीतकर इतिहास रचने जा रहा है। छठे चरण का मतदान कल शनिवार को है, जबकि सातवें चरण का मतदान एक जून को है। अंतिम चरण के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लोकसभा क्षेत्र वाराणसी भी शामिल है। सपा कार्यालय से जारी बयान के मुताबिक अखिलेश ने कहा, लोकसभा चुनाव–2024 में उत्तर प्रदेश से भाजपा की विदाई तय है। लगातार पांच चरणों के मतदान में भाजपा कमजोर हुयी है। पूर्वांचल से भारतीय जनता पार्टी का पूरी तरह से सफाया होगा। समाजवादी पीडीए परिवार 'इंडिया' गठबंधन के साथ जिस तरीके से मिलकर भाजपा का सफाया कर रहा है, उससे साफ जाहिर है कि छठे और सातवें चरण के चुनाव में इंडिया गठबंधन लोकसभा की 27 की 27 सीटें जीतकर इतिहास रचने जा रहा है। यादव ने कहा, ''भाजपा ने जनता से जितने झूठे वादे किए उससे व्यापक आक्रोश है। लोगों को अब भाजपा नेतृत्व के वादों और गारंटी पर तनिक भी विश्वास नहीं हो रहा है। भाजपा ने लोगों को टीका लगवाकर उनका जीवन संकट में डाल दिया। खेतीबाड़ी से जुड़े लोग जानते हैं कि 10 साल में किसान सबसे ज्यादा परेशान रहा है। किसान की आय दुगनी तो हुई नहीं उत्पादन लागत बढ़ा दी गई।

अगर सीमाएं सुरक्षित रहतीं तो और तेजी से प्रगति करता भारत - अजित डोभाल

नई दिल्ली, एजेसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने कहा कि पिछले 10 सालों में देश तेजी से सशक्त हुआ है। हालांकि, अगर हमारे देश की सीमाएं अधिक सुरक्षित, सुरचित और प्रतिकूल कब्जेवाली नहीं होतीं, तो भारत ने अधिक रफ्तार से प्रगति की होती। उन्होंने कहा, ष्जमीन पर जो कब्जा है वही अपना है, बाकी तो सब अदालत और कचहरी का काम है। उससे फर्क नहीं पड़ता। 21वें अलंकरण समारोह में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से आयोजित रुस्तमजी मेमोरियल लेक्चर में शुक्रवार को एनएसए डोभाल ने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति अधिक रफ्तार पकड़ती अगर देश की सीमाएं अधिक सुरक्षित रहतीं। निकट भविष्य में हमें नहीं लगता कि हमारी सीमाएं इतनी सुरक्षित हो जाएंगी कि हम तेजी से आर्थिक विकास कर सकें।

इसलिए सीमाओं पर तैनात सैन्य बलों के कंधों पर अत्यधिक भार आ गया है। उन्हें हमेशा 2437 सतर्क रहना पड़ता है। उन्हें हर वक्त हमारे राष्ट्रीय हितों और देश की सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। देश की सीमाएं अत्यधिक महत्वपूर्ण इसलिए हैं, क्योंकि वह हमारी संप्रभुता को परिभाषित करती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में भारत सरकार ने सीमाओं की सुरक्षा पर बहुत ध्यान दिया है। इसी अवधि में हमारी राष्ट्रीय ताकत बढ़ी है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि भारत बहुत तेजी से बदल रहा है। अगले दस सालों में हम 10 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी हो जाएंगे। साथ ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे, जोकि बहुत बड़ी बात है। भारत के पास सबसे बड़ा कार्यबल है। इसके साथ ही उच्च तकनीक के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टरों, क्वांटम कंप्यूटिंग और रक्षा व सुरक्षा निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में भारत के पास हब होगा। इस बदलते भारत में समृद्धि कुछ हद तक सुरक्षा की भी गारंटी बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने इसी साल 31 मार्च तक 2.5 अरब डॉलर के हथियारों को निर्यात किया है।

दुनिया के कई नेता पीएम मोदी को बॉस और महान कहते - राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज जब वह बोलते हैं तो पूरी दुनिया सुनती है, उन्होंने कहा कि दुनिया के कई नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बॉस कहते हैं और उनका आदर करें। राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार और कुशासन पर परोक्ष हमला बोला। उन्होंने कहा कि सिर्फ 25 साल पहले, भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन पीएम मोदी के प्रभावी नेतृत्व के कारण, अन्य देश अब भारत की आवाज पर ध्यान देते हैं। कई वैश्विक नेता प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं, कुछ ने तो यहां तक कहा है उसे बॉस या महान कहें।

भारत दुनिया की 5वीं सबसे

बड़ी अर्थव्यवस्था

सिंह ने कहा कि 2004 में मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने, लेकिन 2014 में 10 साल तक शासन करने के बाद भी भारत वैश्विक स्तर पर 11वें स्थान पर था, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 8 साल के भीतर भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर पहुंच गया है। उन्होंने दावा किया ष्भारत के बढ़ते कद ने दूसरे देशों की धमकियों को भी कम कर दिया है, क्योंकि भारत अब अपनी धाक जमाना जानता है। कांग्रेस ने देश की सीमाओं पर इंफ्रास्ट्रक्चर तक विकसित नहीं किया, क्योंकि तत्कालीन रक्षा मंत्री ने कहा था कि सीमा में सड़कें बनीं तो चीन नाराज हो जाएगा।

कांग्रेस ने 132 से अधिक बार निर्वाचित सरकारों को भंग किया

कांग्रेस ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में निर्वाचित राज्य सरकारों को भंग कर देंगे, लेकिन प्रधान मंत्री मोदी ने पिछले एक दशक में किसी भी सरकार को भंग नहीं किया है। इसके विपरीत, कांग्रेस ने 132 से अधिक बार निर्वाचित सरकारों को भंग किया है।

आपका रुपया कब्रिस्तान में नहीं, देश के विकास में खर्च हो रहा – सीएम योगी

देवरिया, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के देवरिया में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा सुरक्षा है, सम्मान है, विकास है, गरीबों का कल्याण है, विरासत है, आस्था का सम्मान है। एक तरफ जहां बीजेपी पीएम मोदी के नेतृत्व में हर काम कर रही है। क्या हमने जाति के आधार पर कुछ किया है? योगी ने कहा कि एक ही मंत्र है सबका साथ, सबका विकास। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन है। ये बड़ा ही अनर्थकारी हैश। जब भी उनका गठबंधन बनता है तो आतंकी हमले होते हैं। योगी ने कहा कि प्रदेश में सपा और केंद्र में कांग्रेस के शासन में अयोध्या के रामलला मंदिर और काशी के संकट मोचन मंदिर पर हमले हुए। मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव ने सबसे पहला

काम आतंकवादियों के खिलाफ मामले वापस लेने का किया, सौभाग्य से अदालत ने हस्तक्षेप किया। वही महराजगंज में एक सभा में योगी ने कहा कि अब आपका रुपया कब्रिस्तान में नहीं देश के विकास में खर्च हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की जब सरकारें थीं, तब सारा पैसा कब्रिस्तान में लगा देते थे। पहले की सरकारों में चार लोग टोपी पहन कर गरीबों की भूमि कब्जा कर लेते थे। अब ऐसा संभव नहीं है। धर्म के आधार पर आरक्षण पाने का हकदार नहीं हो सकता है।

संपादकीय

जल–संकट चुनाव जीतने का नहीं

देश के कई भागों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे–जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि–त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले महर–खुवा गांव में जल–संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चुनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है, आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का संकट गंभीर हो रहा है, उससे उनकी कथनी और करनी की असमानता ही बार–बार उजागर होती है। जल–संकट चरम पराकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल–संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक–दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा आम आदमी। पैसे वालों के लिए पानी इतनी बड़ी समस्या नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास पैसों की किल्लत है, वे पानी की किल्लत से भी जूझ रहे हैं क्योंकि टैंकर का पानी महंगा पड़ रहा है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से दो–चार है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। महर–खुवा गांव की ही तरह अलवर जिले के कई गांव में लोग किसी एक मौसम में नहीं, बल्कि 12 महीनें भीषण जल संकट का सामना कर रहें है। इन गांवो में पानी का स्त्रोत है ही नहीं। इन इलाकों में पानी की इतनी कमी है कि लोग उसे अपने घरों में टैंकर में छिपाकर और ताला लगाकर सुरक्षित रखने लगे हैं। भारत के गांवों में रहनेवाले करीब 20 करोड़ परिवारों के घरों में नल नहीं है। इन परिवारों की औरतें पैदल चलकर, घंटों लाइन में लगकर पानी इकट्ठा करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने साल 2019 में हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की। सरकार का दावा है कि अब तक 10 करोड़ घरों में नल लग गए हैं। लेकिन अभी हजारों गांवों में जल–संकट एक बड़ी समस्या बनी हुई है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि बढ़ते जल–संकट के समाधान की दिशा में हमने क्या कदम उठाये। क्या पानी की फिजूल खर्ची को कम करने का कोई संकल्प लिया? गर्मी के आने पर हम हाय–हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा–रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले? सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। राजस्थान में जल–संकट की संभावनाओं को देखते हुए आम नागरिक खुद के स्तर पर व्यापक प्रयत्न करता है। रेगिस्तान से जुड़े अनेक गांवों एवं शहरों में बने या बनने वाले मकानों में कुआ जरूर होता है, जहां बरसात के पानी को एकत्र किया जाता है, जो संकट के समय काम आता है। इसलिये गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख–रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि एवं जल–संकट का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह, वाटर–पार्कों एवं होटलों में पानी के अपव्यय को रोकने के लिये जन–चेतना जागृत करने की अपेक्षा है। हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय–पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली के साथ–साथ जल–संरक्षण का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे जल–संकट से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। सरकार व समाज मिलकर जल–संकट का मुकाबला कर सकते हैं। भारत में जल–संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं।

धीमी है जलवायु परिवर्तन के समाधान की गति

अरुण

जलवायु परिवर्तन का वैश्विक संकट गंभीर होता जा रहा है. वैज्ञानिक तापमान वृद्धि रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन घटाने पर अड़े हुए हैं. समस्या बढ़ने की तुलना में समाधान की गति धीमी है क्योंकि आधुनिक जलवायु विज्ञान एक अपूर्ण विज्ञान है. भौतिक एवं रासायनिक प्रणाली पर वैज्ञानिकों का अत्यधिक ध्यान है, जिसमें वे ऊर्जा एवं तत्वों के संचरण को बेहतर करना चाहते हैं. इसके साथ–साथ आर्थिक एवं राजनीतिक तंत्र में भी बदलाव आवश्यक है ताकि धन एवं शक्ति का संचरण बेहतर हो सके. पिछली सदी में उत्पादकता, विकास और जीवन स्तर में बेहतरी ऊर्जा के कार्बन एवं हाइड्रोकार्बन स्रोतों पर लगातार निर्भर होती गयी. इसलिए अन्य ऊर्जा स्रोतों को खोजना और हाइड्रोकार्बन का इस्तेमाल कम करने के उपाय करना बहुत जरूरी है. उत्सर्जन घटाने के लिए जीवनशैली और उत्पादन तंत्रों में बदलाव की दरकार है. साथ ही, सौर ऊर्जा जैसे नवीनीकृत स्रोतों को अपनाया जाना चाहिए. जलीय एवं पवन ऊर्जा से भी धरती के संसाधनों का क्षरण नहीं होता. परमाणु ऊर्जा के साथ घातक कचरे के निपटान से जुड़े जोखिम हैं. हाइड्रोकार्बन ऊर्जा वातावरण में जहर घोलती है, तो परमाणु ऊर्जा सदियों तक भूमि को प्रदूषित बनाये रख सकती है. ऊर्जा के स्वरूप में बदलाव के लिए आर्थिक संरचनाओं में बदलाव भी आवश्यक हैं. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जो सबसे बड़े और सर्वाधिक लाभ कमाने वाले उद्योग हैं, वे राजनीतिक रूप से भी सबसे शक्तिशाली हैं. अमेरिका जैसे देश, जिनकी जीवनशैली और उत्पादन प्रक्रिया हाइड्रोकार्बन पर आधारित हैं, बदलाव का प्रतिरोध करने में आगे हैं. विलासितापूर्ण जीवन जी रहे धनी लोगों को प्रकृति के साथ साहचर्य में रहने की तात्कालिक आवश्यकता का आभास नहीं है. वे प्रदूषण कम करने व अपने घर को ठंडा रखने के लिए और सामान खरीद सकते हैं. उन सामानों को बनाने और चलाने के लिए भी ऊर्जा की जरूरत है. इस प्रकार, धरती और उसके वातावरण पर गरीबों की तुलना में धनी लोग कहीं अधिक दबाव बनाते हैं, जबकि सबके लिए उपलब्ध संसाधनों में सबकी न्यायपूर्ण साझेदारी होनी चाहिए. बैंकों एवं वित्तीय सेवाओं समेत सभी उद्योगों के उत्तरोत्तर निजीकरण के कारण अधिक पैसे वाले लोग सार्वजनिक नीतियों को बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं. जलवायु परिवर्तन के मामले में तकनीक के चयन की शक्ति धनी निवेशकों के हाथ में है, जो इस समस्या से सबसे कम प्रभावित हैं तथा उनकी मुख्य चिंता निवेश की कमाई से जुड़ी होती है. इस तरह संपत्ति का प्रवाह शीर्ष की ओर बना रहता है. धनी और धनी हो रहे हैं, आर्थिक विषमता बढ़ती जा रही है. इससे जलवायु परिवर्तन का समुचित समाधान खोजने में और भी देरी हो रही है. कार्बन कटौती पर केंद्रित वैज्ञानिक समझ संकीर्ण है, इसका विस्तार किया जाना चाहिए. पहला विस्तार तत्वों एवं ऊर्जा के संबंध में होना चाहिए. इस जलवायु मॉडल में पृथ्वी पर विभिन्न रूपों में प्रवाहित हो रहे जल का महत्व बहुत अधिक होना चाहिए. इस सदी में जलवायु विज्ञान

एवं नीति में कार्बन के केंद्रीय चिंता बनने से बहुत पहले से अरबों लोग पानी की कमी और जल प्रदूषण से जूझ रहे हैं. दूसरी बात यह है कि समाधान सुझाने से पहले वैज्ञानिकों एवं तकनीकी विशेषज्ञों को पृथ्वी के प्राकृतिक तंत्रों की समझ को बेहतर करना चाहिए. सीमेंट और इस्पात के इंफ्रास्ट्रक्चर से प्रकृति के जलीय इंफ्रास्ट्रक्चर को नष्ट कर दिया गया है. पहाड़ियों को समतल बना दिया गया है तथा सड़क बनाने एवं शहर बसाने के लिए जलाशयों को पाट दिया गया है. कथित वैज्ञानिक तरीके से पानी के भंडारण और बहाव के प्रबंधन के लिए बड़े–बड़े बांध बना दिये गये हैं. पर्यावरण पर इनका गंभीर असर पड़ा है. जब प्राकृतिक इंफ्रास्ट्रक्चर की जगह मानव–निर्मित इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया जाता है, तब जीडीपी बढ़ जाती है. लेकिन जीवन के बने रहने की स्थिति कमतर हो जाती है. तीसरी बात यह है कि वैश्विक जलवायु समस्या के समाधान के लिए स्थानीय समुदायों द्वारा विकसित और लागू होने वाले समाधान की आवश्यकता है. हर जगह पर्यावरण की समस्याएं जीवनयापन और आर्थिक समस्याओं से जुड़ी हुई हैं, पर इनके रूप अलग–अलग हैं. इसलिए कोई एक समाधान हर जगह लागू नहीं हो सकता है. चौथी अहम बात यह है कि जो अपनी मेहनत से धन पैदा करते हैं, उनके पास ही उसका संग्रहण होना चाहिए, न कि उसे बाहरी निवेशकों के हाथ में दे देना चाहिए. निवेशक अधिकांश धन वित्तीय कारोबारों में निवेश करते हैं. जलवायु परिवर्तन जैसी मानवीय अस्तित्व से जुड़ी समस्या के समुचित समाधान के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक शक्ति के स्वरूप में उल्लेखनीय बदलाव हो. तकनीकी रूप से आकर्षक और निवेशकों को लाभ पहुंचाने वाले जलवायु समाधान सत्ता के स्वरूप में बदलाव नहीं ला सकते हैं। समाज के निचले तल के लोगों के पास अधिक धन और शक्ति होना आवश्यक है. आर्थिक उद्यम के सहकारी रूपों, जिनमें स्थानीय उत्पादक मालिक भी होता है, को अपनाया जाना चाहिए ताकि स्थानीय स्तर पर धन का संचरण और समुदाय के लाभ के लिए उसका पुनर्निवेश सुनिश्चित किया जा सके।

किसानों को खेती से जोड़े रखना एक गंभीर चुनौती

जय

भारत एक कृषि प्रधान देश है लेकिन देश में कृषि की तुलना में उद्योग और सेवा आदि क्षेत्रों का तेजी से विस्तार होने के कारण इस मौलिक व्यवसाय का योगदान जीडीपी में जिस तेजी से घट रहा है। कृषि कर्म में लगे लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान में प्रवासन के कारण किसानों को खेती में प्रवृत्त रखना एक गंभीर चुनौती ही है। यह दोधारी चुनौती एक बड़ी आबादी को आजीविका के अवसर प्रदान करने के साथ ही जनसंख्या की आवश्यकतानुसार देश का अन्न उत्पादन बनाए रखने की भी है। हर रोज किसानों की आत्महत्याओं की समस्या भी इसी चुनौती से जुड़ी हुई है।

हर साल होता है करोड़ों किसानों का प्रवासन

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के एक आकलन के अनुसार भूख, गरीबी और जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले मौसमी बदलाव की वजह से लगभग 76.3 करोड़ लोग अपने ही देश में किसानी छोड़कर बेहतर आजीविका अवसरों की तलाश में प्रवास कर जाते हैं। भारत की लगभग एक तिहाई आबादी यानी 30 करोड़ से अधिक लोग प्रवासी हैं। जनगणना रिपोर्ट 2011 के अनुसार लगभग 84 प्रतिशत लोग अपने राज्य के भीतर ही प्रवास करते हैं और लगभग 2 प्रतिशत लोग एक राज्य से दूसरे राज्य में चले जाते हैं। पूर्वी और उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों से बड़ी तादाद में लोग काम और बेहतर रोजगार की तलाश में भारत के विभिन्न हिस्सों में चले जाते हैं। इनमें से ज्यादातर लोग अल्पकालीन प्रवासी हैं जो थोड़े समय के लिए मजदूरी करते हैं और इसके बाद अपने मूल राज्य में लौट कर अपनी छोटी जोतों पर काम करते हैं। एनसीआरबी द्वारा दिसंबर 2023 में जारी क्राइम स्टेटिस्टिक्स के अनुसार वर्ष 2022 में देश में 11,290 किसानों ने आत्महत्या की जिनमें 6083 कृषि मजदूर थे।

अर्थव्यवस्था में 15 प्रतिशत रह गई कृषि की हिस्सेदारी

प्रवासन दुनियाभर में कई गरीब लोगों के लिए जीवन जीने का एक तरीका है और सहस्राब्दियों से रहा है, लेकिन कृषिकर्म से जुड़े लोगों के लिए प्रवासन एक मजबूरी है जो कि बढ़ती जा रही है। अपर्याप्त कृषि भूमि, विकास की कमी और खराब पारिवारिक अर्थव्यवस्था के कारण मजदूरों को अपना क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर होना पडतघ है। भारत की अर्थव्यवस्था सदैव कृषि आधारित रही है। कृषि उत्पादन में मुख्य घटक कृषि क्षेत्र के मजदूर हैं। एक अनुमान के अनुसार ग्रामीण भारत में 35 प्रतिशत श्रम शक्ति की अधिकता है जबकि वहां उतनी श्रम शक्ति के लिए पर्याप्त रोजगार उपलब्ध नहीं हो पाता। इस कारण लोगों को एक प्रदेश छोड़ कर दूसरे कृषि प्रधान प्रदेश में सीजनल प्रवासन करना पड़ता है। इससे श्रम की आपूर्ति और मांग में असंतुलन पैदा हो जाता है। कृषि क्षेत्र के लिये चिन्ता का विषय यह है कि राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि की हिस्सेदारी घट रही है। लोकसभा में 19 दिसंबर 2023 को कृषि मंत्री द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार औद्योगिक और सेवा क्षेत्र में तेजी से वृद्धि के कारण भारत की जीडीपी में कृषि की हिस्सेदारी 1990–91 में 35 प्रतिशत से घटकर 2022–23 में 15 प्रतिशत रह गई। फिर भी कृषि क्षेत्र भारत के लगभग आधे कार्यबल को रोजगार देता है और भारतीय सकल घरेलू उत्पाद में अधिकांश अस्थिरता के लिए जिम्मेदार है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की हिस्सेदारी घटते जाने का यह मतलब कतई नहीं कि इस आधारभूत क्षेत्र का महत्व ही घट गया है। भारत के आर्थिक और सामाजिक ढांचे में इस क्षेत्र का महत्व इस सूचक से कहीं अधिक है। क्योंकि भारत के लगभग तीन–चौथाई परिवार ग्रामीण आय पर निर्भर हैं। भारत के लगभग 70 प्रतिशत गरीब ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाते हैं और भारत की खाद्य सुरक्षा अनाज की फसलों के उत्पादन के साथ–साथ बढ़ती बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने के लिए फलों, सब्जियों और दूध के उत्पादन को बढ़ाने पर निर्भर करती है। ऐसा करने के लिए एक उत्पादक, प्रतिस्पर्धी, विविध और टिकाऊ कृषि क्षेत्र को त्वरित गति से उभरने की आवश्यकता होगी। भारत एक वैश्विक कृषि महाशक्ति है। यह दूध, दालों और मसालों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है और इसमें दुनिया का सबसे बड़ा मवेशी झुंड है। यह चावल, गेहूं, कपास, गन्ना, मछली, भेड़ और बकरी का मांस, फल, सब्जियां और चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। देश में लगभग 19.5 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर खेती की जाती है, जिसमें से लगभग 63 प्रतिशत वर्षा आधारित है, जबकि 37 प्रतिशत सिंचित है।

चुनौतियां ही चुनौतियां हैं कृषि क्षेत्र के समक्ष

कृषक समुदाय के समक्ष पारंपरिक पेशे से जुड़े रहने में एक नहीं बल्कि अनेकों चुनौतियां हैं। कई किसान बाजार की कीमतों में उतार–चढ़ाव, मौसम की अनिश्चितता और बढ़ती इनपुट लागत जैसे विभिन्न कारकों के कारण कम और अस्थिर आय से जूझते हैं। यह आर्थिक अस्थिरता उनके लिए केवल कृषि के माध्यम से अपना गुजारा करना कठिन बना देती है। पारंपरिक कृषि पद्धतियों में अक्सर आधुनिक कृषि पद्धतियों की तुलना में दक्षता और उत्पादकता की कमी होती है। आधुनिक उपकरणों, मशीनरी और प्रौद्योगिकियों तक सीमित पहुंच उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बाधित करती है, जिससे युवा पीढ़ी कृषि पेशे में प्रवेश करने या जारी रखने से हतोत्साहित हो रही है। विरासत कानूनों और जनसंख्या वृद्धि के कारण पीढ़ियों से कृषि भूमि छोटे–छोटे भूखंडों में विखंडित हो रही है। छोटी और बिखरी जोत खेती को आर्थिक रूप से कम व्यवहार्य बनाती है और मशीनीकरण और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने में बाधा डालती है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का पैटर्न अनियमित हो गया है, तापमान में वृद्धि हुई है, और लगातार चरम मौसम की घटनाएं हो रही हैं, जिससे पानी की कमी और फसलें बर्बाद हो रही हैं। सिंचाई और जलवायु–अनुकूल कृषि तकनीकों तक पहुंच की कमी इन चुनौतियों को और बढ़ा देती है। अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, परिवहन बाधाओं और बिचौलियों के शोषण के कारण किसानों को अक्सर बाजारों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

ममता सरकार संवैधानिक व्यवस्था से ऊपर से नहीं

योगेंद्र

पश्चिमी बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान और न्यायपालिका में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का शगल बन गया है। ममता को सिर्फ वोट बैंक की राजनीति नजर आती है, इसके लिए बेशक कानून की कितनी ही धज्जियां क्यों न उड़ानी पड़ी। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलामानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्ला देशियों का। इसके लिए ममता ने देश की एकता–अखंडता और सुरक्षा से जुड़े इन मुद्दों पर भी केंद्र की भाजपा सरकार की खिलाफत की है। कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के हाइकमान ने भी कभी ऐसे आरोप केंद्र की भाजपा सरकार पर नहीं लगाए, जैसे कि ममता बनर्जी लगाती रही हैं। ममता ने भ्रष्टाचार, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग, राजनीतिक आधार पर बंदरबाट जैसे मुद्दों पर अदालतों से जितनी फटकार खाई है, उतनी देश के किसी राजनीतिक दल की सरकार ने नहीं खाई। इतना सब कुछ होने के बावजूद ममता बनर्जी अपनी आदतों से बाज नहीं आई हैं। नया मामला पश्चिमी बंगाल में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को अदालत द्वारा रद्द करने का है। इस आदेश को सदाशयता से मान कर अपील करने की दलील देने के बजाए मुख्यमंत्री ममता ने ही फैसला देने वाले हाईकोर्ट के न्यायाधीश पर भाजपा समर्थक होने का आरोप लगा दिया। ऐसा करके ममता ने बगैर किसी भय के सरेआम अदालत की अवमानना कर दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वह इस आदेश को स्वीकार नहीं करेंगी, जो तपशिली समुदाय को दिए गए अधिकार छीन लेगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस प्रशासन के तहत 2011 से बंगाल में जारी अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी प्रमाणपत्रों को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया। अदालत ने कहा, हालांकि, इससे वर्तमान में शैक्षणिक संस्थानों में नौकरी या सीटें रखने वाले या जाति प्रमाण पत्र के साथ आवेदन दाखिल करने वाले लोगों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पश्चिम बंगाल में ओबीसी आरक्षण की पूरी कहानी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गठित सच्चर कमेटी की रिपोर्ट पर आधारित है। उस रिपोर्ट में देश में मुस्लिम समुदाय की स्थिति के बारे में विस्तृत बातें की गई थीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों में केवल 3.5 फीसदी ही मुस्लिम थे। इसी को आधार बनाकर 2010 में पश्चिम बंगाल की वाम मोर्चा सरकार ने 53 जातियों को ओबीसी की श्रेणी में डाल दिया और ओबीसी आरक्षण सात फीसदी से बढ़ाकर 17 फीसदी कर दिया। इस तरह उस वक्त करीब 87.1 फीसदी मुस्लिम आबादी आरक्षण के दायरे में आ गई। लेकिन, 2011 में वाम मोर्चा की सरकार सत्ता से बाहर हो गई और उसका यह फैसला कानून नहीं बन सका। फिर राज्य में तृणमूल कांग्रेस की सरकार आई और ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनीं। ममता की सरकार ने इस सूची को बढ़ाकर 77 कर दिया। 35 नई जातियों को इस सूची में जोड़ा गया, जिसमें से 33 मुस्लिम समुदाय की जातियां थीं। साथ ही तृणमूल सरकार ने भी राज्य में ओबीसी आरक्षण सात फीसदी से बढ़ाकर 17 फीसदी कर दिया। ममता सरकार के इस कानून की वजह से राज्य की 92 फीसदी मुस्लिम आबादी को आरक्षण का लाभ मिलने लगा। हाईकोर्ट ने ओबीसी के मामले में सरकार के फैसले को निरस्त कर दिया। इसके बाद तो मानो ममता का पारा उछल गया। ममता ने अदालत पर मनमाने आरोप लगा दिए। उच्च न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीशों पर निशाना साधते हुए एक न्यायाधीश कह रहा है।

घरेलू स्तर पर फिलिस्तीन और मुस्लिम मुद्दे पर भारत का रुख

विनोद

भारत को यह सुनिश्चित करने में सावधानी बरतनी चाहिए कि फिलिस्तीन पर उसके रुख को

मुसलमानों से जुड़े घरेलू राजनीतिक विवाद के विस्तार के रूप में नहीं देखा जाए। अतीत में, इजरायलियों ने पश्चिम एशिया की इस्लामी शक्तियों के प्रति भारत के प्रेमालाप को तत्कालीन सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी द्वारा घरेलू मुस्लिम मतदाताओं के लिए रियायत के रूप में खारिज कर दिया था। अब, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुसलमानों का कथित उपहास करने से पता चलता है कि आज की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी भारतीय मुस्लिम लॉबी का समर्थन नहीं करने का जोखिम उठा सकती है। भारत द्वारा इजराइल से 1.1 बिलियन डॉलर के सैन्य विमान की खरीद, जिस पर संयुक्त राज्य अमेरिका को मंजूरी देनी पड़ी, भी स्थिति की जटिलताओं और विरोधाभासों को उजागर करती है। अब समझौता यह है कि इजराइल अपने फाल्कन सिस्टम को स्थापित करेगा – एक उन्नत संचार, इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस और रडार सिस्टम जो एक साथ कई हवाई और सतह लक्ष्यों की लंबी दूरी की ट्रैकिंग प्रदान करने में सक्षम है – रूस द्वारा आपूर्ति किए गए तीन विमानों पर भारत को डिलीवरी के लिए। अगले दो या तीन साल. बेशक, नई दिल्ली ने इस विषय पर हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बहस में एक संप्रभु फिलिस्तीन का पूरा समर्थन किया। भारत की संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने मीडिया से कहा, अपनी दीर्घकालिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, हम संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता का समर्थन करते हैं और इसलिए, हमने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है।" संयुक्त राष्ट्र महासचिव, एंटोनियो गुटेरेस के दृष्टिकोण का उनका समर्थन, कि "फिलिस्तीन राज्य संयुक्त राष्ट्र में सदस्यता के लिए योग्य है," इसके चार्टर के अनुच्छेद 4 के अनुसार, और "इसलिए, इसे स्वीकार किया जाना चाहिए" खारिज कर दिया गया रिपब्लिकन जॉन बोल्टन, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजदूत और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैसे अमेरिकी बाजों का दावा है कि फिलिस्तीन एक राज्य नहीं है क्योंकि इसकी न तो औपचारिक सीमाएँ हैं और न ही संप्रभु अधिकार। सुश्री कंबोज ने दक्षिण कैरोलिना के रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के जानलेवा दृष्टिकोण को भी साझा नहीं किया है, जिन्होंने एनबीसी साक्षात्कार में सुझाव दिया था कि गाजा, जहां इजरायली बमबारी ने पहले ही लगभग 35,000 फिलिस्तीनियों का नरसंहार किया है, जिनमें से 70 प्रतिशत शिशु, महिलाएं और बच्चे थे। परमाणु बम से हमला करना चाहिए. लेकिन मोदी द्वारा मुसलमानों का कथित उपहास करने से पता चलता है कि आज की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी भारतीय मुस्लिम लॉबी का समर्थन नहीं करने का जोखिम उठा संयुक्त राष्ट्र के उस कदम पर इजराइल की उन्मादी प्रतिक्रिया, जिसे बिडेन प्रशासन के वीटो ने निरस्त कर दिया, ने चेतावनी दी कि कोई भी समाधान तब तक संभव नहीं है जब तक कि दृष्टिकोण मौलिक रूप से नहीं बदलता है और दोनों पक्षों के उद्देश्यों की कुछ समझ नहीं होती है। जबकि फिलिस्तीनियों को अमेरिका और दुनिया को यह विश्वास दिलाना होगा कि हमास की 7 अक्टूबर की हत्या की घटना फिर कभी नहीं दोहराई जाएगी, और वे उस इजराइल के साथ शांति से सह–अस्तित्व के लिए तैयार हैं जिसे कई अमेरिकी विदेश में अपने सबसे विश्वसनीय सहयोगी के रूप में देखते हैं, कोई नहीं जानता प्रारंभिक आक्रोश किस कारण उत्पन्न हुआ। क्या यह नकबा (तबाही) की बढ़ती शिकायत थी, जिसकी 75वीं बरसी अभी बीती है, या कोई ताजा उकसावा था? यह भी पढ़ें– आकार पटेल संयुक्त राष्ट्र से संबंध खत्म होने के बाद, भारत मानवाधिकार निकाय में वोट खो सकता है इजराइल को इसी तरह फिलिस्तीनियों और दुनिया को एक संप्रभु फिलिस्तीन के बगल में शांति से रहने की इच्छा के बारे में आश्वस्त करना होगा। इसमें चार मील नेटजारिम कॉरिडोर या रूट 749 के उद्देश्य को समझाना शामिल है, जिसे इजरायली सेना ने पूर्व से पश्चिम तक, गाजा–इजरायल सीमा से भूमध्य सागर तक खोदा है। कई लोग सोचते हैं कि गलियारे का उद्देश्य पूरे गाजा पट्टी में दूरदराज के आवासीय बस्तियों में भी इजरायली रक्षा बलों द्वारा स्थायी सैन्य निगरानी सुनिश्चित करना और उत्तरी और मध्य गाजा में इजरायली छापे की सुविधा प्रदान करना है। भारत के मुस्लिम अल्पसंख्यक भाजपा की धारणा एक और असंभव है। यहां तक कि श्री मोदी द्वारा उन्हें अपमानजनक संदर्भों के साथ चुनावी बहस में घसीटे बिना भी, इजरायली विश्लेषकों ने हमेशा माना है कि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने इजरायल के प्रति जो स्पष्ट घृणा प्रदर्शित की थी, उसका संयुक्त राष्ट्र के इस्लामी सदस्यों को अलग–थलग न करने से कोई लेना–देना नहीं था, जिनके वोट भारत चाहता था। कश्मीर विवाद और सब कुछ कांग्रेस पार्टी के घरेलू वोट बैंक से जुड़ा है। वरिष्ठ इजरायली राजनयिकों ने तर्क दिया कि केवल मुस्लिम मतदाताओं ने ही श्रीमती गांधी को पद पर बनाए रखा। घर में इस विशेष सांप्रदायिक बैसाखी की आवश्यकता न होने पर गर्व करते हुए, भाजपा फिलिस्तीनियों की उपेक्षा कर सकती है।

सुकन्या खुलवा कर समाजिक दायित्व का करें निर्वहन - एच के यादव

अयोध्या। मण्डलीय कार्यालय में ग्रामीण क्षेत्र के शाखा डाकघर के पोस्टमास्टरों को रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट डाक जीवन बीमा आदि जमा निकासी के लिए अयोध्या मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर एच के यादव ने थर्मल प्रिन्टर वितरित किया।इससे गांव गांव के डाकघरों में रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट, तथा पीएलआई की सुविधा सुलभ होगी । 615 शाखा डाकघरों को प्रिन्टर दिया जाना है जिसमे से अब तक मण्डल में 350 से अधिक डाकघरों को प्रिन्टर आपूर्ति कर दिया गया । इस दौरान श्री यादव ने मातहत डाक कर्मचारियों को घर घर सुकन्या समृद्धि खाता खोलने के निर्देश दिया और सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में बताया कि मण्डल के सभी डाकघरों में मई माह में सुकन्या , 250 रूपये में सुकन्या खाता खोला जा सकता है और इसमें अधिकतम डेढ़ लाख रूपये जमा किये जा सकते हैं। इस योजना में खाता खोलने से मात्र 15 वर्ष तक धन जमा कराना होगा। बेटी की उम्र 18 वर्ष होने पर जमा राशि का 50 प्रतिशत व सम्पूर्ण राशि 21 वर्ष पूरा होने पर निकाली जा सकती है। वर्तमान में ब्याज दर 8.2 प्रतिशत है और जमा धनराशि में आयकर छूट का भी प्रावधान है।श्री यादव ने अपने मातहतों से कहा कि हम सभी के अच्छे आचरण एवं मेहनत से आज भी डाक विभाग के प्रति लम्बे अरसे से आम जनमानस का विश्वास एवं अच्छी छवि बनी हुई है, इसे कायम रखने का दायित्व हम लोगों का है और इस विश्वास को किस प्रकार बनाए रखा जाये इस विषय पर हमें जागरूक होने की जरूरत है। दूसरी ओर डाक जीवन बीमा के बारे में श्री यादव ने कहा कि डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा हमारे विभाग के दो अत्यंत ही महत्वपूर्ण बीमा योजनाएं है परन्तु हम सभी इसके व्यापक प्रचार–प्रसार में अभी तक उस गति को पाने में सफल नहीं हो सके है जिसकी हमें आवश्यकता है जबकि इस योजना से कम प्रभावी व कम लाभदायक बीमा स्कीम को अन्य बीमा कंपनी अच्छे ढंग से प्रस्तुत करके आम लोगों को आकर्षित करने में सफल हो रहे हैं

अतः हम सभी को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है और डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के लाभों के अन्य बीमा कंपनी के स्कीम से तुलनात्मक अध्ययन करके लोगों को आकर्षित करने की महती आवश्यकता है।निरीक्षक हरिमोहन सिंह, राघवेंद्र प्रताप सिंह, शाखा प्रबंधक चेतन जायसवाल मौजूद रहे।

कतार में लगकर पुलिस अधीक्षक एवं जिला अधिकारी ने किया मतदान

सुल्तानपुर। शहर के मॉडल बूथ समेत ग्रामीण अंचल के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 7 से शुरू हुआ मतदान।जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना और पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा पहुंचे राजकीय इंटर कॉलेज के मॉडल बूथ पर। कतार में लगकर किया मतदान। विशिष्ट नागरिकों को कतारबद्ध होने का दिया संदेश। अर्ध सैनिक बल के सुरक्षा घेरे में मतदान बूथ, स्थानीय पुलिस भी सुरक्षा व्यवस्था में लगी। जिलाधिकारी ने किया सभी नागरिकों से घरों से निकलकर मतदान करने का आह्ववाहन।

पुलिस ने इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) पुलिस टीम ने क्राइम कंट्रोल करने के लिए एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को पिहानी के भैंसटा नदी पुल पर घेराबंदी कर फरार चल रहे 15 हजार के इनामी जीशान को दबोच लिया।उसके खिलाफ कोतवाली शहर में गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज है। पिहानी कस्बे के मोहल्ला खुरमुली निवासी जीशान पुत्र जाकिर अली उर्फ मुन्ने के खिलाफ एसएचओ कोतवाली शहर संजय पाण्डेय ने धारा 2ध्3 उ.प्र. गैंगेस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज कराया था। इससे पहले उसके खिलाफ साल 2022 मेन एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कराया गया था। एसपी ने फरार चल रहे जीशान के ऊपर 15 हजार का ईनाम रखा था। शनिवार को एसएचओ कोतवाली शहर संजय पाण्डेय ने अपनी टीम में शामिल इंस्पेक्टर (रिजर्व) हरिनाथ सिंह,हेड कांस्टेबिल रिंकू कुमार,कांस्टेबिल राजेन्द्र कुमार व कांस्टेबिल गौरव कुमार के साथ भैंसटा नदी पुल पर घेराबंदी कर फरार चल रहे जीशान को दबोच लिया।

कायाकल्प की टीम ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का अवलोकन

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) सीएचसी में शानिवार को कायाकल्प योजना का फाइनल असेसमेंट किया गया। इस दौरान लखनऊ की तीन सदस्यीय टीम ने दवा वितरण, टीकाकरण, वैक्सीन पैथालॉजी आदि का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा कर्मी ड्रेस कोड में दिखाई पड़े। राज्य सरकार की राज्य स्तरीय तीन सदस्यीय टीम द्वारा डॉक्टर रूपेंद्र , डॉक्टर दशरथ, डॉक्टर नाजिया ने निरीक्षण किया।

टीम ने सीएचसी में मरीजों से बातचीत की, जांच और सुविधाओं के साथ ही साफ–सफाई और संसाधनों की गहनता से जांच की। कायाकल्प योजना के फाइनल एक्सटर्नल असेसमेंट में स्टेट टीम ने पैथोलॉजी , चिकित्साधिकारी कक्ष, दवा वितरण कक्ष, प्रसव कक्ष, आदि वार्डों को देखा और साफ–सफाई की व्यवस्था को गहनता से जांच की। टीम के सदस्यों ने इमरजेंसी दवाओं को रखने, टीकाकरण ,वैक्सीन मॉनिटरिंग, हैंडवाश, पीपी किट, आदि के अलावा सभी स्थानों पर यूजर्स मैनुअल लगाने के निर्देश दिये। हालांकि अस्पताल में लगे अग्निशन संयंत्र के लिये लगाई गई पानी की गिरी पड़ी टंकी की खूब चर्चा होती रही। जबकि एक वार्ड में मरीज भर्ती थे। परन्तु पंखा न चलने से मरीज बेहाल थे। सीएचसी अधीक्षक डॉ जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सीएचसी को तीन बार कायाकल्प अवार्ड मिल चुका है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा, सफाई समेत सात मानकों पर खरा उतरने पर सीएचसी को कायाकल्प अवार्ड में चयनित किया जाता है। सीएचसी का रख–रखाव ,स्वच्छता व साफ–सफाई, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, आदि का फीडबैक लिया गया।

राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय का चरित्र, जुझारूपन पत्रकारों के लिए पथ प्रदर्शक – लल्लू सिंह

अयोध्या। वरिष्ठ पत्रकार स्व राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय की 10वीं पुण्यतिथि पर प्रेसक्लब में भारतीय लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार मनमोहन ने कहा कि आजादी की लड़ाई से लेकर वर्तमान समय तक पत्रकारिता की भूमिका विभिन्न तरीको से दिखाई देती रही। आज पत्रकार चौथे स्तम्भ कहलाते है। उन्होंने कहा कि हमने देश में आपातकाल भी देखा। सत्ता के खिलाफ एक शब्द लिखने वाले पत्रकार को जेल में डाल दिया।लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए पत्रकार अपनी भूमिका का निर्वाहन करता रहा है।उन्होंने कहा कि जहां हर क्षेत्र में गिरावट आयी है। राजनीति पहले से बदल कर अब स्वार्थ की हो गई है।अधिकारियों के काम करने का तरीका बदल गया है।उससे पत्रकारिता भी अछूती नहीं रह गयी है।आज पत्रकारिता का व्यवसायीकरण हो गया है।मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय का चरित्र, जुझारूपन वर्तमान पत्रकारों के लिए पथ प्रदर्शक की भांति है। उन्होंने सत्य को हमेशा सत्य की तरह परिभाषित किया।पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि स्व राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय कभी अभाव व प्रभाव में अपने सिद्धान्तो से नहीं डिगे। सिद्धान्तो से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। वरिष्ठ पत्रकार त्रियुग नारायन तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता में उन्होंने कभी अपने विचार को हावी नहीं होने दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में पत्रकार का बहुत योगदान होता है।पत्रकारिता को लेकर हमारा उद्देश्य राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो अजय प्रताप सिंह ने कहा कि स्व राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय की पत्रकारिता पथ प्रदर्शक की भांति थी। उनके विचारों से आज के पत्रकारों को शिक्षा लेने की आवश्यकता है। संचालन वरिष्ठ पत्रकार इन्द्रभूषण पाण्डेय ने किया।कार्यक्रम को पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल, बांके बिहारी मणि त्रिपाठी, पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जेपी तिवारी, ओपी सिंह, सूर्यकांत पाण्डेय ने सम्बोधित किया।इस अवसर पर पत्रकारों में प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेश पाठक, सुमन गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार रामाशरण अवस्थी, जेपी तिवारी, राम प्रकाश त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, सुरेन्द्र कुमार सिंह, उग्रसेन मिश्रा, एसएन सिंह, पवन मिश्रा, अमित मिश्रा, प्रवीण तिवारी, ओम शंकर पाण्डेय, जेपी सिंह तथा प्रो विक्रमा प्रसाद पाण्डेय, सूर्यकांत पाण्डेय, राजेन्द्र प्रताप सिंह भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, कमलाशंकर पाण्डेय, ओम प्रकाश सिंह, इन्द्रभान सिंह, राघवेन्द्र पाण्डेय, रामकृष्ण तिवारी, शक्ति सिंह, दिवाकर सिंह, राजेश सिंह, सुभाष चन्द्र त्रिपाठी, करुणाकर पाण्डेय, परमानंद मिश्रा, नीरज श्रीवास्तव, रामधीरज पाण्डेय, प्रो केएम सिंह, सुनील तिवारी शास्त्री, मनोज श्रीवास्तव, रोहित पाण्डेय, निखिल त्रिपाठी, मोहित पाण्डेय, अर्जित पाण्डेय, अनन्या पाण्डेय, मौजूद रहे।

हाईवे पर सड़क हादसे में कर्नाटक के दो श्रद्धालुओं की मौत, एक दर्जन श्रद्धालु घायल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कर्नाटक के श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या आ रही एक टेंपो ट्रैवलर प्रयागराज हाईवे पर हादसे का शिकार हो गई। हादसा शुक्रवार की मध्यरात्रि के बाद बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के परोमा के पास हुआ। दुर्घटना में दो श्रद्धालुओं की मौत हुई है, जबकि 12 श्रद्धालु घायल हुए हैं। इनमें से 9 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।कर्नाटक प्रांत के जिला गुलबर्गा स्थित नगर कोतवाली के ओम नगर मोहल्ला निवासी श्रद्धालुओं का एक समूह तीर्थाटन के लिए निकला था और शुक्रवार की रात एक टेंपो ट्रैवलर से अयोध्या दर्शन पूजन के लिए आ रहा था। मध्य रात्रि के बाद टेंपो ट्रैवलर प्रयागराज हाईवे पर जैसे ही बीकापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित परमा के निकट पहुंची की ओवरटेक करने के चक्कर में हादसे का शिकार हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक टेंपो ट्रैवलर का दायां हिस्सा किसी ट्रक से रगड़ खाने के चलते बुरी तरह छतिग्रस्त हो गया और वाहन में सवार श्रद्धालु घायल हो गए। पुलिस में एंबुलेंस की मदद से 14 घायलों को अस्पताल भिजवाया।जिला अस्पताल लाए जाने पर इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डा आशीष पाठक ने श्रद्धालु शिवपूजन 56 वर्ष पुत्र स्वर्गीय सगप्पा और तनजप्पा 45 वर्ष पत्नी अज्ञात को मृत घोषित कर दिया। जबकि 9 घायल श्रद्धालुओं को उपचार के लिए भर्ती किया है।वही तीन श्रद्धालुओं का प्राथमिक उपचार किया गया है।

गौरव खन्ना को उनके पैरा बैडमिंटन के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान हेतु अपूर्वा सम्मान 2024 से नवाजा गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। अपूर्वा संस्था व अमृत लाल नागर पुस्तकालय उत्तर रेलवे, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में अपूर्वा शिखर सम्मान में पधारें गौरव खन्ना को उनके पैरा बैडमिंटन के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान हेतु अपूर्वा सम्मान 2024 से नवाजा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रशांत कुमार ,स्टेशन निदेशक उत्तर रेलवे लखनऊ व कार्यक्रम का संचालन संजय मल्होत्रा हमनवा ने किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर रवि भट्ट मौजूद रहें, डाक्टर सुधा मिश्रा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गौरव खन्ना जी ने अपने नाम के अनुरूप ही गौरव कीर्तिमान स्थापित किया है, वहीं प्रशांत कुमार ने गौरव खन्ना के कार्यों की सराहना की

साथ ही प्रोफेसर रवि भट्ट ने अपूर्वा वा गौरव खन्ना के कार्यों को समाज हेतु एक प्रेरणा स्रोत बताया। इस सम्मान समारोह में गौरव खन्ना ने अपूर्वा व रेल परिवार का आभार व्यक्त किया, अपूर्वा संस्था ने यात्री व कर्मचारियों के हितों में काम करने के लिए प्रशांत कुमार को भी सम्मानित किया। इस सम्मान में गौरव खन्ना सपत्नीक पधारे। अपने संबोधन में पायल सोनी ने रेल कर्मियों के सराहनीय कार्य के लिए, साथ ही संस्था के सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारी सहित वंदना विशेष ,अर्चना सिंह, सोमिना बजाज व रेल कर्मी भी मौजूद रहे।

बच्चों के मनोरंजन व उनकी व्यावहारिक जानकारी में वृद्धि हेतु एक शैक्षिक भ्रमण

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) शनिवार को नालंदा शिक्षण संस्थान में सामयिक परीक्षा–1 खत्म होने के बाद पढ़ाई व चिलचिलाती गर्मी से थोड़ा आराम दिलाने और बच्चों के मनोरंजन एवम उनकी व्यावहारिक जानकारी में वृद्धि हेतु एक शैक्षिक एवं आनंदमयी भ्रमण के लिए बच्चों को शाहजहांपुर स्थित एक भव्य, सुरक्षित और सर्वसुविधा सम्पन्न वाटर पार्क और शहीद संग्रहालय ले जाया गया। जिसमें बच्चों ने विद्यालय के अनुभवी शिक्षकों की देख–देख में वहां लगे विभिन्न प्रकार के फब्बारे, स्लाइड्स एवं स्विमिंग पूल के ठंडे पानी का इस गर्मी के मौसम में अति उत्साह पूर्वक आनंद लिया। बच्चों ने पार्क में हरे भरे , सुंदर – स्वच्छ , मनमोहक एवं प्राकृतिक वातावरण का सुखद आनंद लेने के साथ–साथ जमकर तैराकी भी की। जिसकी खुशी की झलक उनके चेहरों पर साफ दिखाई पड़ रही थी। तत्पश्चात सभी बच्चों को शाहजहाँपुर के भव्य शहीद संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। जहां बच्चों नें संग्रहालय की दीर्घा में बनी विभिन्न प्रकार की प्रतिकृतियों जैसे – 1857 से लेकर 1947 तक के इतिहास का सिलसिलेवार वर्णन, काकोरी ट्रेन कांड , अंग्रेजों से लोहा लेती झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, लाल किले पर स्वतंत्रता का जश्न मनाते लोग, इलाहाबाद जेल में कैद ठाकुर रोशन सिंह के किताब पढ़ने के दृश्य के साथ–साथ शाहजहांपुर के औद्यौगिक एवं धार्मिक संस्थाओं के मॉडल जैसे– ओसीएफ, के आर पेपर मिल, रिलायंस थर्मल पावर, हनुमत धाम, राम कृष्ण मिशन आश्रम का अवलोकन करने के साथ साथ शिक्षकों द्वारा उनके बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए अपने गरिमामयी इतिहास को जाना। इस शैक्षिक भ्रमण के दौरान सभी बच्चों ने ताजे फलों के साथ साथ विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट एवं पोषक व्यंजनों का भी आनंद लिया। इस आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षक – शिक्षिकाओं का भरपूर सहयोग रहा। इसी के साथ विद्यालय में गर्मी की छुट्टियां भी घोषित कर दी गईं। अंत में बच्चों को गर्मियों की छुट्टियों के लिए शुभकामनाओं सहित विदा करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मनु कुमार शुक्ला जी एवं शिक्षा प्रमुख श्री प्रखर दीक्षित जी ने कहा कि पढ़ाई के साथ साथ बच्चों के लिए खेल कूद और इस प्रकार के मनोरंजक और शैक्षिक भ्रमण भी बहुत आवश्यक है ताकि बच्चों का मन तथा शरीर तरोताजा हो पाए और उनमें नई ताजगी और स्फूर्ति का संचार हो।

जन–जागृति अभियान को लेकर मारवाल परिवार ने किया कवि हरीश शर्मा का सम्मान

लक्ष्मणगढ़ – (सीकर) कस्बे के निवासी सांवरमल मारवाल व भंवरी देवी ने अपनी शादी की 51वीं वर्षगांठ के उपलक्ष पर राशन किट का वितरण किया गया। इस दौरान परिवार सदस्यों ने केक काटकर वर्षगांठ की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए खुशियां जाहिर की। मारवाल ने समय–समय पर सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान व शेखावाटी संकल्प परिवार की अभिनव पहल, जन–जागृति अभियान ष्घायलों का वीडियो नही बनाए उन्हें समय से अस्पताल पहुँचाए को लेकर मारवाल परिवार की ओर से बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान के संस्थापक कवि हरीश शर्मा का विशेष सम्मान किया गया। उन्हे श्रीफल, शॉल, माला, दुपट्टा व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्टेशन मार्ग स्थित आदर्श विद्या मंदिर के प्राचार्य अशोक पारीक, रामेश्वर गुरुजी, सोमेश, अभिषेक, गौतम सहित परिवार के सदस्य व नगर के गणमान्यजन मौजूद रहें।

शारदा नहर में 02 दोस्त धारा में बह गए

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) 6 दोस्त एक साथ ऑटो पर सवार हो कर रामपुर देहलिया के पास से निकली शारदा नहर में नहाने पहुंचे,वे नहा रहे थे,उसी बीच पानी की तेजध धार उन्हे बहा ले गई। उनमें से 4 दोस्त किसी तरह अपनी हिम्मत से बच गए,लेकिन उनके दो दोस्तों को पानी का तेज बहाव बहा ले गया। इसका पता होते ही एसएचओ पिहानी धर्मदास सिद्धार्थ अपनी टीम के साथ वहां पहुंच गए। खबर लिखे जाने तक उन दोनों की तलाश जारी थी।

शनिवार की दोपहर पिहानी कोतवाली के चठिया बुजुर्ग निवासी 25 वर्षीय अनिल पुत्र तारू,19 वर्षीय ब्रजेश पुत्र जयराम, 20 वर्षीय प्रांशू पुत्र सुभाष,22 वर्षीय सुमित पुत्र गिरेन्द्र,21 वर्षीय शिवम पुत्र कृष्ण कुमार व 22 वर्षीय रजनीश पुत्र रामकुमार एक ऑटो पर सवार हो कर रामपुर देहलिया के पास से निकली शारदा नहर में नहाने पहुंचें। उन्होनें बारी–बारी से नहर में छलांग लगा दी,लेकिन उसी बीच पानी का बहाव और तेज हो गया,सारे दोस्त उसमें फंस गए,खैर किसी तरह से प्रांशू,सुमित,शिवम और रजनीश अपनी हिम्मत से बच कर किसी तरह बाहर निकल आए,लेकिन अनिल और ब्रजेश पानी के साथ बह गए। इसका पता होते ही एसएचओ पिहानी अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे और हादसे के बारे में जरूरी पूछताछ की। उन्होने बताया है कि पानी में गुम होने वाले दोनों युवको की तलाश के लिए जरूरी बंदोबस्त किया गया है। गोताखोरों की मदद ली जा रही है। खबर लिखे जाने तक उन दोनों का कुछ भी पता नहीं लग सका था। उधर हादसे की खबर सुनते ही चठिया बुजुर्ग गांव में कोहराम मच गया।

फन रिपब्लिक मॉल में शुरू हुआ मैंगो फेस्टिवल

बंगनपल्ली, अल्फांजो, तोतापुरी, सिंधुरा, मल्लिका, राम केला आम मैंगो फेस्ट को बनाएंगे खास

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। लखनऊ का प्रसिद्ध शॉपिंग गंतव्य फन रिपब्लिक मॉल इस चिलचिलाती गर्मी में लखनऊवासियों के लिए राहत के आम ले कर आया है जी हां फन

रिपब्लिक मॉल में 26 मई तक मैंगो फेस्टिवल धूम मचाएगा। शेफ नंदिनी मोतियानी ने मैंगो फेस्टिवल का उद्घाटन किया। फन रिपब्लिक मॉल में 26 मई तक चलने वाले इस मैंगो फेस्ट में ग्राहकों को तीस प्रकार के आमों की खास वैरायटी देखने को मिलेगी जिसमे बंगनपल्ली, अल्फांजो, तोतापुरी, सिंधुरा, मल्लिका, राम केला, लंगड़ा, चौसा, थूरू, सफेदा, केसर, दशहरी इत्यादि किस्म के आम मौजूद रहेंगे। जिसे ग्राहक देखने के साथ साथ खरीद भी सकेंगे। 25 मई को किड्स फैंसी ड्रेस कंपटीशन जबकि 26 मई यानी अंतिम दिन वूमेन कोल्ड कुकिंग कंपटीशन भी होगा। मैंगो फेस्टिवल के साथ साथ विभिन्न प्रकार की अलग अलग प्रतियोगिताएं ग्राहकों का उत्साह बढ़ाने के साथ साथ उनका मनोरंजन भी करेंगी। फन रिपब्लिक मॉल की मार्केटिंग मैनेजर प्रीति पांडे ने कहा कि इस गर्मी फलों का राजा आम लखनऊवासियों को ठंड का एहसास कराएगा। हमने देश के कोने कोने से भिन्न भिन्न प्रकार के आमों को मैंगो फेस्ट में लाने का प्रयास किया है। ताकि ग्राहकों को कुछ नया देखने को मिले। 30 प्रकार के आमों की अलग अलग प्रजातियों के आम हम इस फेस्टिवल में लेके आए हैं ताकि ग्राहक सभी प्रकार के आमों का लुफ्त उठा सकें।

भांजे को सरकारी खजाना लुटाने वाले पंचायत सचिव पर कब होगी कार्यवाही ?

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) गावों के विकास के नाम पर सरकारी खजाना लूटा जा रहा है, कार्यवाही करने वाले अधिकारियों को भी घोटाले के धन से साधने की कोशिश की जाती है, यही वजह है कि भ्रष्टाचारियों पर कार्यवाही नहीं हो पाती। ताजा मामला विकास खंड टड़ियावां का है, जहाँ तैनात एक पंचायत सचिव ने अपने कार्यक्षेत्र की पांच ग्राम पंचायतों में राज्य वित्त आयोग, पंचम वित्त आयोग और मनरेगा की मद के कार्यों, खरीदारी के लिए अपने ही भांजे की फर्म आदित्य कांस्ट्रक्शन ट्रेडर्स को बहर, आशा, नानकगंज ग्रंट, बेहटा चांद और रामनगर में न केवल काम दिया, बल्कि, करीब 40 लाख से अधिक का सरकारी धन का भुगतान कर आर्थिक फायदा भी पहुँचाया। सहायक विकास अधिकारी का काम देख रहे पंचायत सचिव नरेंद्र वर्मा की ओर से अपने भांजे आदित्य के बचत खाता पर मजदूरी, मिस्त्री का भी भुगतान किया गया है। एक अन्य रिश्तेदार परविंदर के खातों पर भी लाखों का भुगतान किया गया है। मामले की शिकायत भी दर्ज कराई गयी है, जिसमें बताया गया कि शासन से रिश्तेदारों की फर्म से काम, खरीदारी और भुगतान पर रोक के आदेश के बाद पंचायत सचिव ने वित्तीय वर्ष 2022–23 से लेकर अब तक करीब 40 लाख से अधिक का भुगतान किया है। राज्य वित्त आयोग और पंचम वित्त आयोग के भुगतान का ब्योरा पंचायतीराज विभाग के ई–ग्राम स्वराज पोर्टल

पर ऑनलाइन भुगतान की रिपोर्ट में भी प्रदर्शित हो रहा है, जबकि रिश्तेदारों की फर्म और खातों में भुगतान किया जाना शासनादेश के विरुद्ध है। इस सम्बन्ध में सीडीओ सौम्या गुरुरानी ने बताया कि मामला गंभीर है, मामले की तत्काल जॉच कराई जाएगी, दोषी पाए गए अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

30 जून तक भवन एवं जल कर जमा करने पर मिलेगी 10 प्रतिशत की छूट

शामली, संवाददाता। नगर पालिकाध्यक्ष अरविंद संगल ने बताया कि 30 जून तक भवन कर व जलकर जमा करने वाले नागरिकों को 10 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। नागरिकों को इसकी जानकारी देने के लिए शहर में पांच दिन लगातार प्रचार कराया जाएगा। नगर पालिकाध्यक्ष ने सभी टैक्स कलेक्टर और सभासदों की बैठक ली। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि शहर के हर वार्ड में प्रत्येक व्यक्ति को भवन कर व जलकर में 10 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाकर 30 जून 2024 तक टैक्स जमा कर सकता है। पांच दिन तक लगातार माइक से जागरूक करने के लिए मुनादी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर लगाए जाने वाले कर से शहर में विकास कार्य कराए जाते हैं। पालिका बोर्ड ने शहर की जनता के हित को ध्यान में रखते हुए भवन कर एवं जलकर में 10 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में प्रत्येक व्यक्ति घर बैठे ही ऑनलाइन सुविधा मिलेगी। इससे भवनकर व जलकर के भुगतान ऑनलाइन करने की सुविधा होगी। उन्होंने टैक्स कलेक्टरों को निर्देशित करते हुए कहा नगर क्षेत्र में जिस भी भवन पर सबमर्सिबल पंप लगा है और गाय–भैंस की डेयरी पालन किया जा रहा है और बिना अनुमति के पानी कनेक्शन लगा लिया है या खाली प्लॉट हो, उसकी सूची उपलब्ध कराएं ताकि भविष्य में उन पर टैक्स लगाकर वसूल किया जा सकें। इस अवसर पर सभासद आशीष गुप्ता, तोहिद रहमानी, रोबिन गर्ग, सलमान अहमद, टैक्स कलेक्टर आजम खां, अमित कुमार, राकेश कुमार, सुनील बंसल, कंवरपाल, अमित शर्मा, गजेंद्र कुमार, जगमोहन, अरविंद, शशिकांत आदि मौजूद रहें।

सीएचसी में तड़पती रही दुष्कर्म पीड़िता, नहीं पसीजा अफसरों का दिल

मेरठ, संवाददाता। मेरठ में मानवता को शर्मसार करने का एक मामला सामने आया है। सीएचसी सरधना में एक गर्भवती दुष्कर्म पीड़िता परिसर में दर्द से तड़पती रही। लेकिन स्वास्थ्य कर्मचारी आराम से सोते रहे। जिसके चलते दुष्कर्म पीड़िता ने खुले परिसर में एक मृत बच्चे को जन्म दिया।

वहीं, खून से लथपथ दुष्कर्म पीड़िता के दर्द से किसी का दिल नहीं पसीजा। किशोरी की हालत बिगड़ने पर थाना पुलिस सीएचसी पहुंची और स्वास्थ्य कर्मचारियों की लापरवाही का विरोध किया। साथ ही इस बड़ी लापरवाही से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। बता दें कि थाना क्षेत्र के एक गांव में आठ माह की दुष्कर्म पीड़िता की हालत बिगड़ने पर परिजन सरधना सीएचसी लेकर पहुंचे। लेकिन स्वास्थ्य कर्मचारियों ने एडमिट करने से इंकार कर दिया। सभी कर्मचारी एसी के कमरों में आराम से सोते रहे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं, पीड़िता को कई घंटें बाद भर्ती कराया और जिला अस्पताल के लिए रेफर किया। जहां पीड़िता की हालत गंभीर बनी हुई है। बता गया कि आरोपी पिछले कई माह से किशोरी के साथ दुष्कर्म कर रहा था और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर रहा था।

संक्षिप्त खबरें

योगी चौतन्यनाथ की मौत का मामला– समाधि से शव निकालकर हुआ पोस्टमार्टम

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में नाथ संप्रदाय के लालनाथ समाधि मठ के मठाधीश योगी चौतन्यनाथ की मौत हो गई थी। उन्हें समाधि दे दी गई। घरवालों ने हत्या करने की बात कही। पुलिस कमिश्नर से पोस्टमार्टम कराने की गुहार लगाई। घरवालों की शिकायत पर पुलिस कमिश्नर ने पोस्टमार्टम के आदेश दिए। 21 मई को योगी चौतन्यनाथ का शव समाधि से निकालकर पोस्टमार्टम किया गया। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में सिर में गंभीर चोट लगने से अधिक खून बह जाने से मौत होने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के बाद मामला गरमा गया है। पुलिस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच करेगी। मामला सदर थाना क्षेत्र के नामनेर स्थित लालनाथ समाधि मठ का है।

पार्किंग के पैसे मांगने पर वकीलों और ठेकेदार के गुर्गों में विवाद हुआ

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में शुक्रवार को पार्किंग के पैसे मांगने पर वकीलों और ठेकेदार के गुर्गों में विवाद हो गया। बात बढ़ी तो मारपीट होने लगी। वकीलों ने गुर्गों को गिराकर पीटा। मामला बढ़ता देख मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों से बात करके घटना की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस वकीलों और पार्किंग ठेकेदार को थाने पर बुलाया। इससे पहले किसी ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। देखते ही देखते यह वायरल हो गया। घटना हरीपर्वत थाना क्षेत्र के लोटस हॉस्पिटल की है। बताया गया कि लोटस हॉस्पिटल की पार्किंग में वकीलों की गाड़ियां पार्क होती हैं। पैसे मांगने को लेकर विवाद हो गया।

पति की डांट से आहत महिला ने जान दे दी

बांदा, संवाददाता। घरेलू विवाद में पत्नी ने अपशब्द कहे तो नाराज पति थप्पड़ जड़ दिए। इससे आहत महिला ने जहर खाकर जान दे दी। गिरवां थाना क्षेत्र के बछेही गांव निवासी राजापति (38) का बुधवार की देर शाम पति महेश से घरेलू किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर राजापति ने उसको अपशब्द बोल दिए। इससे नाराज महेश ने थप्पड़ जड़ दिए। इससे आहत होकर राजापति ने जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर पति उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचा। यहां उसने दम तोड़ दिया। मायके तिंदवारा से आए पिता मथुरा ने पति पर कोई आरोप नहीं लगाए। दोनों पक्षों की सहमति से शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया। इसके बाद शव लेकर चले गए।

एडीजे ने मंडल कारागार की देखीं व्यवस्थाएं

बांदा, संवाददाता। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एडीजे ने गुरुवार को मंडल कारागार का औचक निरीक्षण किया। यहां महिला बंदियों के बैरक में जाकर उनकी समस्याएं जानीं। उन्हें कानून की जानकारी दी। पाकशाला व अस्पताल में उन्हें व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलीं। जनपद न्यायाधीश डॉ.बब्बू सारंग के निर्देश पर गुरुवार को अपर जिला जज व सचिव श्रीपाल सिंह मंडल कारागार पहुंच गए। उन्होंने यहां पहले महिला बैरकों का निरीक्षण किया। महिला बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। यहां उन्हें वाटर कूलर व कूलर की व्यवस्थाएं अच्छी मिलीं।

महिला बंदियों से कहा कि यदि किसी की न्यायालय से जमानत हो गई है और जमानती नहीं मिल रहे हैं तो परेशान न हों। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आवेदन करें। उन्हें जमानती दिलाने में पूरी मदद मिलेगी। एडीजे ने पाकशाला और कारागार अस्पताल में भी निरीक्षण किया।

अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। करीब एक घंटे के निरीक्षण के बाद वह बाहर निकले। निरीक्षण के समय उनके साथ जेलर मनीष कुमार, डिप्टी जेलर अरविंद कुमार, उबैद अहमद व एडीआर के राशिद अहमद आदि उपस्थित रहे।

मादक पदार्थ तस्करी के दोषियों दस–दस वर्ष का कारावास

सहारनपुर, संवाददाता। अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या–12 मोहित शर्मा ने मादक पदार्थ तस्करी के दोषी शहजाद और शब्बीर निवासी गांव समसपुर थाना सरसावा को दस–दस वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। दोषियों पर एक–एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। मामला 29 मई 2014 का है। सरसावा थाने के उपनिरीक्षक आशाराम शाहजहांपुर पुलिस चौकी पर चेकिंग कर रहे थे। मुखबिर से सूचना मिली कि एक कार में यमुनानगर की तरफ से तीन लोग मादक पदार्थ लेकर आ रहे हैं। पुलिस ने गाड़ी रुकवाकर तलाशी ली तो कई कट्टों में डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने शहजाद, शब्बीर और मोहम्मद चांद निवासी गांव समसपुर को गिरफ्तार किया। जांच के बाद पुलिस ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। न्यायालय ने शहजाद व शब्बीर को दस–दस वर्ष के कारावास की सजा सुनाई और एक–एक लाख का अर्थदंड लगाया है, जबकि तीसरे आरोपी मोहम्मद चांद की मौत हो चुकी है।

दो लाख रुपये मांगने के आरोप में किसान नेता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शामली, संवाददाता। शहर के मोहल्ला खत्रियान निवासी नसरीन ने किसान नेता विनोद निर्वाल पर दो लाख रुपये मांगने का आरोप लगाते हुए शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसपी के आदेश पर पुलिस ने किसान नेता व उसके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट की गई है। एसपी अभिषेक को नौ मई को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि उसके पति डा. अब्बास ने कुछ डिग्रीधारी डाक्टर रखकर गली खत्रियान में नर्सिंग होम खोल रखा है। वहीं पर वह अपने पति और बच्चों के साथ रहती है। महिला का आरोप है कि मोहल्ला रेलपार निवासी विनोद निर्वाल अपने कुछ साथियों के साथ आए और झूठे मुकदमे में फंसाने व झूठी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रुपये मांगे। आरोप है कि विनोद निर्वाल कहता है कि वह भारतीय किसान यूनियन का भी पदाधिकारी रहा हूं। महिला का कहना है कि आरोपी विनोद निर्वाल उनके पति पर दबाव बनाकर दो लाख रुपये प्रति महीना लेना चाहता है और कहता है कि यदि यहां रहना है तो उसकी मांग पूरी करो वरना वह उन्हें इतना मजबूर कर देगा कि वे अपने परिवार के साथ आत्महत्या कर लोगे। पीड़िता ने सुरक्षा की गुहार लगाई। कोतवाली पुलिस ने विनोद निर्वाल व अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। शहर कोतवाली प्रभारी समयपाल अत्री ने बताया विनोद निर्वाल व उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपी विनोद निर्वाल वर्तमान में राष्ट्रीय किसान आयोग के अध्यक्ष है। उधर, विनोद निर्वाल का कहना है कि उन्होंने किसी से कोई रुपये नहीं मांगे। उन पर लगाए गए आरोप झूठे हैं।

नाबालिगों ने कार से ली थी तीन की जान, अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में कार की स्टीयरिंग थामकर लोगों की जान लेने वाले नाबालिगों और उन्हें कार देने वालों पर पुलिस ने नकेल कसनी शुरू कर दी है। नवाबगंज में दवा कारोबारी को टक्कर मारकर जान लेने वाले आरोपी नाबालिग और कार मालिक के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी। वहीं, गंगा बैराज में दो नाबालिगों को कार से रौंदकर मार डालने के आरोपी नाबालिग के खिलाफ बर्रा में दर्ज सड़क दुर्घटना के एक और मामले की जांच पुलिस कमिश्नर ने एसीपी कर्नलगंज को सौंपी है। इस मामले में कार देने वाले डॉक्टर पिता की भूमिका भी जांच के घेरे में है।

दवा कारोबारी को कुचलने का मामला

सिविल लाइंस निवासी दवा कारोबारी निकेश तलाटी (63) 18 फरवरी 2024 को दोस्तों के साथ साइकिलिंग करते हुए गंगा बैराज पर पहुंचे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। दवा कारोबारी के दोस्तों ने कार चला रहे ग्वालटोली निवासी व्यापारी के नाबालिग बेटे और कार मालिक अनवरगंज निवासी मोहम्मद जुबैल को दबोच लिया था।

नाबालिग और कार मालिक के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

कार चलाने वाले नाबालिग व कार मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या व अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। शुरू में सिर्फ नाबालिग ही सवालों में था, लेकिन विभिन्न पहलुओं पर जांच के बाद विवेचक ने कार मालिक को भी गैर इरादतन हत्या व साजिश को दोषी पाया है। थाना प्रभारी दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि दोनों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है।

दो किशोरों को कुचलने का मामला

गंगा बैराज पर तेज रफ्तार से कार दौड़ाकर नाबालिग सागर और आशीष की जान लेने के आरोपी काकादेव निवासी डॉक्टर के नाबालिग बेटे पर बर्रा में भी एक राहगीर को कार से टक्कर मारकर घायल करने का आरोप था। नवाबगंज वाले मामले में जमानत पर छूटने के कुछ समय बाद हुए इस घटनाक्रम में बर्रा थाने में केस तो दर्ज हुआ लेकिन स्थानीय पुलिस ने ठोस कार्रवाई नहीं की।

नाबालिग के साथ पिता की भूमिका की भी जांच शुरू

हालांकि, नवाबगंज वाला मामला पुलिस कमिश्नर के संज्ञान में आ गया तो उन्होंने स्थानीय पुलिस से लेकर एसीपी कर्नलगंज को जांच सौंप दी। जांच में दोषी मिलने पर नवाबगंज पुलिस ने नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। इसी बीच ठंडे बस्ते में चल रहा बर्रा कांड भी सीपी के संज्ञान में आ गया। इसके बाद उन्होंने इस मामले की जांच भी एसीपी कर्नलगंज को ही सौंप दी। एडिशनल सीपी ने कहा कि बर्रा प्रकरण में पिता की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

तत्कालीन इंस्पेक्टर और चौकी इंचार्ज की जांच शुरू

दो नाबालिगों की सड़क हादसे में मौत के मामले में पुलिस के स्तर से हुई हीलाहवाली को उच्चाधिकारियों ने गंभीरता से लिया है। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के निर्देश पर एडिशनल सीपी हरीश चंदर ने तत्कालीन इंस्पेक्टर नवाबगंज रोहित तिवारी और तत्कालीन गंगा बैराज चौकी इंचार्ज के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं।

कांस्टेबल के घर 15 लाख की चोरी, बगल के कमरे में सोता रहा परिवार

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र में सेन चौकी से महज पांच सौ मीटर दूर एसपी उन्नाव के चालक के घर चोरी हो गई। छत के रास्ते घर में दाखिल हुए चोर तीन लाख नकदी और करीब 12 लाख के जेवर समेट ले गए। जिस कमरे में चोरी हुई, उसके ठीक बगल वाले कमरे में परिवार सोता रह गया। कहा जा रहा कि कूलर चलने की वजह से उन्हें आहट ही नहीं हुई। मूलरूप से कानपुर देहात निवासी मनोज यादव पत्नी रेखा, दो बच्चों अहम, वैष्णव व साढू के बेटे आशुतोष के साथ पहाड़पुर श्रीनगर नई बस्ती में रहते हैं। मनोज कांस्टेबल हैं। वर्तमान में एसपी उन्नाव की गाड़ी चलाते हैं।

मनोज ने बताया कि बुधवार वह ड्यूटी पर थे। पत्नी ने फोन कर बताया कि देर रात खाना खाने के बाद वह दूसरी मंजिल पर बने कमरे में परिवार के साथ सोने चली गई, जबकि आशुतोष तीसरी मंजिल पर सो रहा था। बगल में खाली पड़े प्लाट की बाउंड्री व पिलर के सहारे चोर तीसरी मंजिल पर पहुंचे।

बिखरा पड़ा था सारा सामान

जीने का दरवाजा खुला होने की वजह से दूसरी मंजिल पर आ गए। यहां रखी अलमारी से 3.25 लाख रुपये नकद व करीब 12 लाख के जेवर पार कर दिए। गुरुवार सुबह पत्नी की नींद खुली, तो सारा सामान बिखरा पड़ा था। जानकारी पर डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीम के साथ पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की।

ये समान हुआ चोरी

चोरों ने 3.25 लाख रुपये की नकदी के अलावा दो हार, पांच अंगूठी, पांच जोड़ी बाले, झुमकी पार कर दीं। सेन पश्चिम पारा थाना प्रभारी राकेश सिंह ने बताया कि मनोज की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे की मदद से चोरों की तलाश की जा रही है।

हाईवे तक पहुंचा खोजी कुत्ता

डॉग स्क्वॉयड की टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। खोजी कुत्ता घटनास्थल से बगल वाले प्लॉट से घूमता हुआ 300 मीटर दूर हाईवे तक गया। इसके बाद घूमकर लौट आया। ऐसे में कयास लगाए जा रहे कि चोर हाईवे की तरफ भाग गए।

चौकीदार दोषी करार, हटाया, एफआईआर दर्ज

शामली, संवाददाता। जिले के एक विद्यालय में चौकीदार द्वारा छात्रा से चेहरे की मसाज कराने और छात्राओं के साथ डांस करने का वीडियो व ऑडियो वायरल होने के प्रकरण की शामली व कांधला ब्लॉक की खंड शिक्षा अधिकारी ने जांच की। जांच में चौकीदार को दोषी पाया गया। दोषी चौकीदार को डीएम रविंद्र सिंह के आदेश पर हटा दिया गया। देर रात खंड शिक्षा अधिकारी सविता की तहरीर पर कांधला थाना पुलिस ने चौकीदार अशोक निवासी छपरौली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं बीएसए ने वार्डन समेत पूरे स्टाफ को नोटिस जारी किया है। बुधवार को एक विद्यालय का वीडियो व ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें विद्यालय का चौकीदार छात्रा से चेहरे की मसाज कराता हुआ दिख रहा है। इसके अलावा चौकीदार छात्राओं के साथ डांस भी करता हुआ नजर आ रहा है। डांस के दौरान शिक्षिका भी बैठी नजर आ रही है। इसके अलावा छात्राओं से झाड़ू पोछा लगाने समेत कई तस्वीरें भी वायरल हुई थी। अमर उजाला ने 23 मई के अंक में चेहरे की मसाज करा रहा चौकीदार, डांस भी करा रहा नामक शीर्षक से प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशित होते ही विभागीय अधिकारियों में खलबली मच गई। यह मामला सामने आने पर बीएसए कोमल ने शामली व कांधला की खंड शिक्षा अधिकारियों को संयुक्त रूप से जांच सौंपी थी। बृहस्पतिवार और बुधवार की रात को दोनों खंड शिक्षा अधिकारियों ने विद्यालय में पहुंचकर प्रकरण की जांच की। इसके बाद जांच रिपोर्ट बीएसए को सौंप दी है। बीएसए कोमल ने बताया कि इस प्रकरण की जांच कराई गई है। जांच में यह मामला करीब दो साल पुराना पाया गया है। इस प्रकरण में चौकीदार ने अपनी गलती स्वीकार की है। चौकीदार द्वारा छात्राओं को अश्लील वीडियो भेजने की बात सामने आई है।

शत्रु संपत्तियों में अवैध रूप से रहने वालों से वसूला जाएगा किराया

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में शत्रु संपत्तियों का अगले सप्ताह से जिला प्रशासन सर्वे शुरू कराने जा रहा है। यह कवायद किराये की नई दरें लागू करने और किराया न देने वालों को चिह्नित करने के लिए की जा रही है। जो किराया नहीं दे रहे हैं, उनसे सन 1965 से किराया वसूला जाएगा। इसके अलावा नई दरें 2017 से लागू की जाएंगी। इसके लिए एसडीएम सदर टीम गठित करेंगे। वहीं छह शत्रु संपत्तियों की ई–नीलामी की भी तैयारी है। बंटवारे के समय पाकिस्तान चले गए लोगों की संपत्ति को शत्रु संपत्ति का नाम दिया गया है। शहर में कुल 34 शत्रु संपत्तियां हैं।

इनमें करीब 300 परिवार रहते हैं। ये संपत्तियां शत्रु संपत्ति अभिरक्षक के दायरे में आती हैं। जिले में उप अभिरक्षक जिलाधिकारी होते हैं। अभी तक इन संपत्तियों पर रहने वाले लोगों से मामूली किराया वसूला जा रहा था, लेकिन अब नई दरों से किराया वसूला जाएगा।

नई लीज और लाइसेंस एग्रीमेंट जारी होगा

इसके अलावा कई परिवार ऐसे भी हैं, जो किराया दे ही नहीं रहे हैं। सर्वे के बाद संपत्तियों के किराये का 100 रुपये के स्टांप पर लाइसेंस एग्रीमेंट होगा। सभी की नई लीज और लाइसेंस एग्रीमेंट जारी होगा। किराया न देने वालों को बाहर किया जाएगा।

सबसे पहले रामजानकी मंदिर और दारूलमौला संपत्ति की नीलामी

जिले की छह घोषित शत्रु संपत्ति बेचने की तैयारी है। नई सड़क हिंसा के आरोपी मुख्तार बाबा व उसके करीबियों से कब्जामुक्त कराई गईं संपत्तियां पहले बेची जाएंगी। सबसे पहले रामजानकी मंदिर और दारूलमौला संपत्तियों को बेचा जाएगा।

शत्रु संपत्तियों का सर्वे अगले सप्ताह से कराया जाएगा। जो सीज हैं, उन्हें खोलकर सर्वे किया जाएगा। सर्वे के आधार पर किराये की नई दरें लागू की जाएंगी। छह संपत्तियां बेचने की तैयारी की जा रही है। –रामानुज, एसीएम दो शत्रु संपत्ति नोडल

बाबा बिरयानी सहित 20 जमीनों की शत्रु संपत्ति को लेकर जांच

नई सड़क हिंसा मामले में आरोपी मुख्तार बाबा के बेकनगंज, जाजमऊ, यशोदानगर, किदवईनगर, रावतपुर स्थित आउटलेट की जमीनों समेत 20 शत्रु संपत्ति को लेकर फिर जांच शुरू हुई है। इसके लिए अलग–अलग टीमें लगाई गई हैं। उपजिलाधिकारी सदर के निर्देशन में जल्द इसकी रिपोर्ट अपर जिलाधिकारी नगर के माध्यम से जिलाधिकारी को भेजी जाएगी।

उप जिलाधिकारी सदर के निर्देशन में जल्द भेजी जाएगी रिपोर्ट

दरअसल, शाहजहांपुर की तिलहर तहसील के मिल्कीपुर के तैयब अली ने जनसुनवाई पोर्टल में शिकायत की है

कि बेकनगंज के तलाक महल में हामिद हास्पिटल के पास स्थित भवन संख्या 97ध्127 शत्रु संपत्ति है। इसकी जांच कराकर शत्रु संपत्ति में दर्ज किया जाए। इसके चलते ही जांच कराई जा रही है।

जेवरों से भरा बैग लूटने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

शामली, संवाददाता। एसओजी, सर्विलांस और बाबरी थाना पुलिस ने आठ दिन पहले सराफ रविंद्र सिंह से ज्वेलरी से भरा बैग लूटने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 24 ग्राम वजन के सोने की ज्वेलरी बरामद की है। इस घटना में शामिल एक अन्य आरोपी फरार है। बाबरी थानाक्षेत्र के गांव हिरनवाड़ा के मूल निवासी सराफ रविंद्र सिंह पिछले काफी समय से गऊशाला मोहल्ला नदी रोड मुजफ्फरनगर में रहते हैं, जबकि दुकान गांव में ही करते हैं। 16 मई की शाम को वह गांव से ई–रिक्शा में बैठकर बुटराड़ा बस स्टैंड पर पहुंचे और वह बस का इंतजार कर रहे थे। उसी समय दो बाइक सवार चार बदमाशों ने सराफ की आंख में मिर्च झोंककर उसके हाथ से ज्वेलरी से भरा बैग छीन लिया था और मुजफ्फरनगर की तरफ फरार हो गए थे। बृहस्पतिवार को पुलिस लाइन सभागार में एएसपी संतोष कुमार सिंह ने इस घटना का खुलासा करते हुए बताया कि सुबह करीब साढ़े छह बजे बाबरी पुलिस ने भैंसानी रोड पर चेकिंग के दौरान दो बाइक पर सवार चार बदमाशों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से लूट की घटना में इस्तेमाल तमंचा, लूटे गए करीब 24 ग्राम सोने की ज्वेलरी बरामद की। पकड़े गए बदमाशों के नाम मटरू निवासी गांव हडौली माजरा थाना भौराकलां जिला मुजफ्फरनगर हाल निवासी अशोक विहार थाना लोनी जिला गाजियाबाद, शाकिर निवासी गांव शेरपुर लुहारा थाना छपरौली जिला बागपत, शादाब निवासी गांव किनौनी बरवाला थाना शाहपुर जिला मुजफ्फरनगर व असलम निवासी हिरनवाड़ा थाना बाबरी है ।

साान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।

कांस्टेबल के घर 15 लाख की चोरी, बगल के कमरे में सोता रहा परिवार, चोरों की तलाश में जुटी पुलिस

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र में सेन चौकी से महज पांच सौ मीटर दूर एसपी उन्नाव के चालक के घर चोरी हो गई। छत के रास्ते घर में दाखिल हुए चोर तीन लाख नकदी और करीब 12 लाख के जेवर समेट ले गए। जिस कमरे में चोरी हुई, उसके ठीक बगल वाले कमरे में परिवार सोता रह गया। कहा जा रहा कि कूलर चलने की वजह से उन्हें आहट ही नहीं हुई। मूलरूप से कानपुर देहात निवासी मनोज यादव पत्नी रेखा, दो बच्चों अहम, वैष्णव व साढू के बेटे आशुतोष के साथ पहाड़पुर श्रीनगर नई बस्ती में रहते हैं। मनोज कांस्टेबल हैं। वर्तमान में एसपी उन्नाव की गाड़ी चलाते हैं।

मनोज ने बताया कि बुधवार वह ड्यूटी पर थे। पत्नी ने फोन कर बताया कि देर रात खाना खाने के बाद वह दूसरी मंजिल पर बने कमरे में परिवार के साथ सोने चली गई, जबकि आशुतोष तीसरी मंजिल पर सो रहा था। बगल में खाली पड़े प्लाट की बाउंड्री व पिलर के सहारे चोर तीसरी मंजिल पर पहुंचे।

बिखरा पड़ा था सारा सामान

जीने का दरवाजा खुला होने की वजह से दूसरी मंजिल पर आ गए।

यहां रखी अलमारी से 3.25 लाख रुपये नकद व करीब 12 लाख के जेवर पार कर दिए। गुरुवार सुबह पत्नी की नींद खुली, तो सारा सामान बिखरा पड़ा था। जानकारी पर डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीम के साथ पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की।